

FREE JUDICIARY CLASSES
BSA 2023 #13



Conduct & Character

आचरण & चरित्र

By Tansukh Paliwal





Character when relevant

46. **In civil cases character to prove conduct imputed, irrelevant.**

In civil cases the fact that the character of any person concerned is such as to render **probable** or **improbable** any conduct imputed to him, is irrelevant, **except** in so far as such character appears from facts otherwise relevant.

Civil \neq Character

शील कब सुसंगत हैं

46. **सिविल मामलों में अध्यारोपित आचरण साबित करने के लिए शील विसंगत है।**

सिविल मामलों में यह तथ्य कि किसी सम्पृक्त व्यक्ति का शील ऐसा है कि जो उस पर अध्यारोपित किसी आचरण को अधिसंभाव्य या अनधिसंभाव्य बना देता है, विसंगत है वहां तक के सिवाय जहां तक कि ऐसा शील अन्यथा सुसंगत तथ्यों से प्रकट होता है।

Bharatiya Sakshya Adhiniyam, 2023



47. In criminal cases previous good character relevant.

In criminal proceedings the fact that the person accused is of a good character, is relevant.

47. दाण्डिक मामलों में पूर्वतन अच्छा शील सुसंगत है।

दाण्डिक कार्यवाहियों में यह तथ्य सुसंगत है कि अभियुक्त व्यक्ति अच्छे शील का है।

प्र० : Civil \neq Criminal

प्र० : Criminal = P.C. Good Char.

Bharatiya Sakshya Adhiniyam, 2023



48. Evidence of character or previous sexual experience not relevant in certain cases.

In a prosecution for an offence under section 64, section 65, section 66, section 67, section 68, section 69, section 70, section 71, section 74, section 75, section 76, section 77 or section 78 of the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023 or for attempt to commit any such offence, where the question of consent is in issue, evidence of the character of the victim or of such person's previous sexual experience with any person shall not be relevant on the issue of such consent or the quality of consent. *Constit*

48. कतिपय मामलों में शील या पूर्व लैंगिक अनुभव के साक्ष्य का सुसंगत न होना ।

भारतीय न्याय संहिता, 2023 द्वी धारा 64, धारा 65, धारा 66, धारा 67, धारा 68, धारा 69, धारा 70, धारा 71, धारा 74, धारा 75, धारा 76, धारा 77 या धारा 78 के अदीन किसी अपराध के लिए या किसी ऐसे अपराध के किए जाने का प्रयत्न करने के लिए, किसी अभियोजन में जहां सम्मति का प्रश्न विवाद्य है वहां एडिडित के शील या ऐसे व्यक्ति का किसी व्यक्ति के साथ पूर्व लैंगिक अनुभव का साक्ष्य ऐसी सम्मति या सम्मति द्वी गुणता के मुद्दे पर सुसंगत नहीं होगा ।



49.

Previous bad character not relevant, except in reply.

In criminal proceedings, the fact that the accused has a bad character, is irrelevant, unless evidence has been given that he has a good character, in which case it becomes relevant.

Explanation 1.—This section does not apply to cases in which the bad character of any person is itself a fact is issue.

Explanation 2.—A previous conviction is relevant as evidence of bad character. **P.G.C. को Rebut करने के लिए P.B.C. का Fact Relevant है।**

49.

उत्तर में होने के सिवाय पूर्वतन बुरा शील सुसंगत नहीं है।

दाण्डिक कार्यवाहियों में यह तथ्य कि अभियुक्त बुरे शील का है, विसंगत है, जब तक कि इस बात का साक्ष्य न दिया गया हो कि वह अच्छे शील का है, जिसके दिए जाने वी दशा में वह सुसंगत हो जाता है।

स्पष्टीकरण 1- यह धारा उन मामलों को लागू नहीं है जिनमें किसी व्यक्ति का बुरा शील स्वयं विवाद्यक तथ्य है।

स्पष्टीकरण 2 - पूर्व दोषसिद्ध बुरे शील के साक्ष्य के रूप में सुसंगत है।



47. In criminal cases previous good character relevant.

In criminal proceedings the fact that the person accused is of a good character, is relevant.

47. दाण्डिक मामलों में पूर्वतन अच्छा शील सुसंगत है।

दाण्डिक कार्यवाहियों में यह तथ्य सुसंगत है कि अभियुक्त व्यक्ति अच्छे शील का है।



48. Evidence of character or previous sexual experience not relevant in certain cases.

In a prosecution for an offence under section 64, section 65, section 66, section 67, section 68, section 69, section 70, section 71, section 74, section 75, section 76, section 77 or section 78 of the Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023 or for attempt to commit any such offence, where the question of consent is in issue, evidence of the character of the victim or of such person's previous sexual experience with any person shall not be relevant on the issue of such consent or the quality of consent.

48. कतिपय मामलों में शील या पूर्व लैंगिक अनुभव के साक्ष्य का सुसंगत न होना ।

भारतीय न्याय संहिता, 2023 द्वी धारा 64, धारा 65, धारा 66, धारा 67, धारा 68, धारा 69, धारा 70, धारा 71, धारा 74, धारा 75, धारा 76, धारा 77 या धारा 78 के अधीन किसी अपराध के लिए या किसी ऐसे अपराध के किए जाने का प्रयत्न करने के लिए, किसी अभियोजन में जहां सम्मति का प्रश्न विवाद्य है वहां एडित के शील या ऐसे व्यक्ति का किसी व्यक्ति के साथ पूर्व लैंगिक अनुभव का साक्ष्य ऐसी सम्मति या सम्मति द्वी गुणता के मुद्दे पर सुसंगत नहीं होगा ।



49. Previous bad character not relevant, except in reply.

In criminal proceedings, the fact that the accused has a bad character, is irrelevant, unless evidence has been given that he has a good character, in which case it becomes relevant.

Explanation 1.—This section does not apply to cases in which the bad character of any person is itself a fact in issue.

Explanation 2.—A previous conviction is relevant as evidence of bad character.

49. उत्तर में होने के सिवाय पूर्वतन बुरा शील सुसंगत नहीं है।

दाण्डिक कार्यवाहियों में यह तथ्य कि अभियुक्त बुरे शील का है, विसंगत है, जब तक कि इस बात का साक्ष्य न दिया गया हो कि वह अच्छे शील का है, जिसके दिए जाने वीदशा में वह सुसंगत हो जाता है।

स्पष्टीकरण 1- यह धारा उन मामलों को लागू नहीं है जिनमें किसी व्यक्ति का बुरा शील स्वयं विवाद्यक तथ्य है।

स्पष्टीकरण 2 - पूर्व दोषसिद्ध बुरे शील के साक्ष्य के रूप में सुसंगत है।



50. Character as affecting damages.

In civil cases, the fact that the character of any person is such as to affect the amount of damages which he ought to receive, is relevant

Explanation. — In this section and sections 46, 47 and 49, the word 'character' includes both reputation and disposition; but, except as provided in section 49, evidence may be given only of general reputation and general disposition, and not of particular acts by which reputation or disposition has been shown.

स्वभाव

50. नुकसानी पर प्रभाव डालने वाला शील।

सिविल मामलों में, यह तथ्य कि किसी व्यक्ति का शील ऐसा है जिससे नुकसानी ही रकम पर, जो उसे मिलनी चाहिए, प्रभाव पड़ता है, सुसंगत है।

स्पष्टीकरण - इस धारा में और धारा 46, धारा 47 और धारा 49 में "शील" शब्द के अन्तर्गत ख्याति और स्वभाव दोनों आते हैं, किन्तु धारा 49 में यथा उपबंधित के सिवाय केवल साधारण ख्याति व साधारण स्वभाव का ही न कि ऐसे विशेष कार्यों का, जिनके द्वारा, ख्याति या स्वभाव दर्शित हुए थे, साक्ष्य दिया जा सकेगा।



Judiciary Guidance Program (JGP 2.0)

(For Judiciary, Advocacy & AI Drafting)

Start from 2nd May 2025

15 Months Duration Course

- ◆ AI Based Legal Drafting
- ◆ Diagrammatic Notes
- ◆ Comprehension Technique
- ◆ Section Postmortem
- ◆ Test & Practice Session
- ◆ Practical Training



QR Code for
Brochure

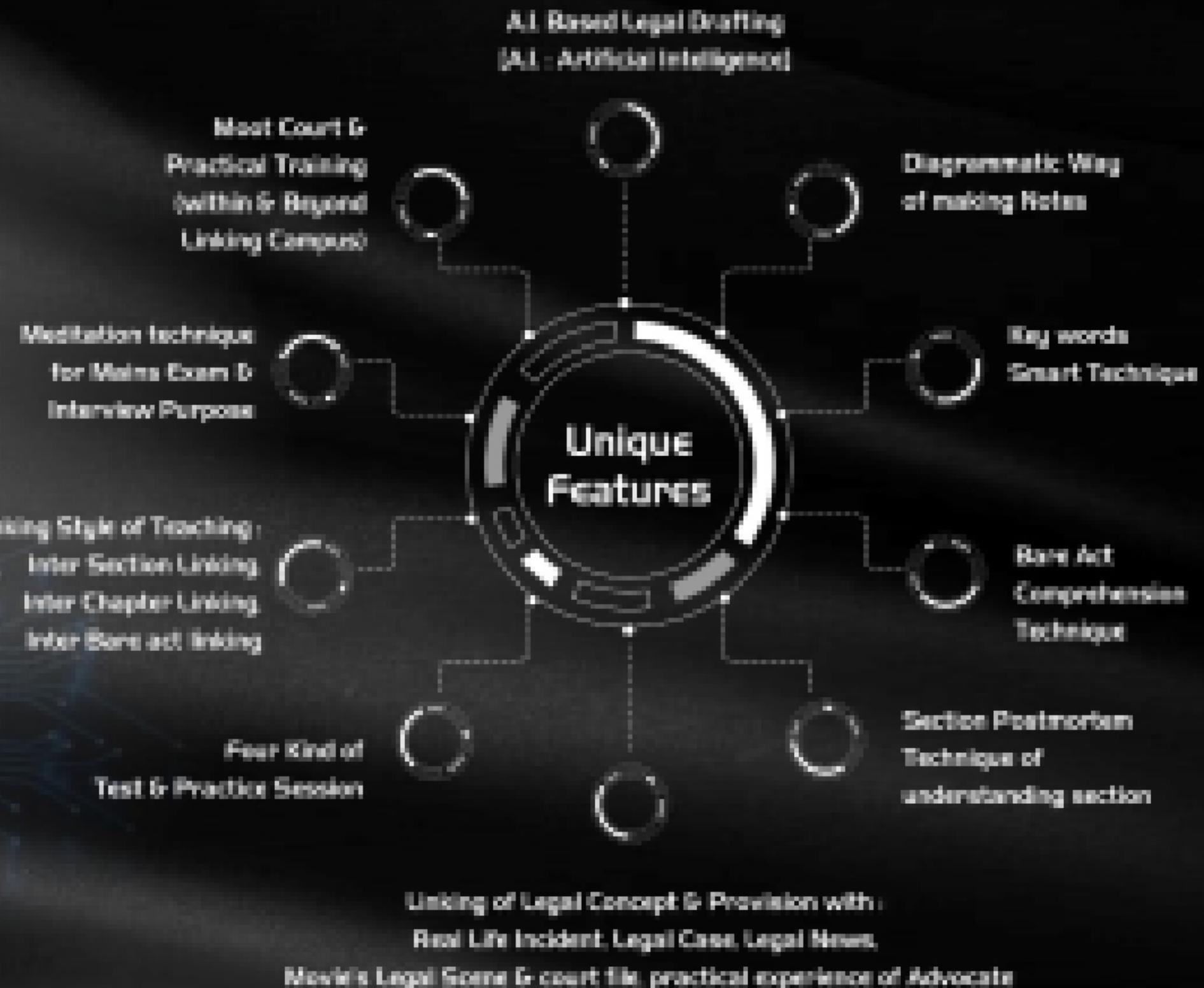


988 774 6465





Unique things at Linking Laws for Judicial Exam Preparation





Advocacy Guidance Program (AGP) 2.0

Start From 30 April 2025 | Course Validity: 3 Months

- + Live Classes
- + Court Practice
- + Recorded Classes
- + Cyber Law Practice
- + Legal Drafting (inc AI based drafting)
- + Guidance from Retired Judges about court practice
- + Guidance from High Court Advocate about High Court Practice



Call 988 774 6465



Scan this QR Code to
Book Now Linking Course





Legal Personality
Development

Guidance from
Retired Judges
about court practice

Guidelines from
High Court Advocate
about High Court Practices

Court
Ethics

Bar
Ethics

Civil Court
Practice

Criminal Court
Practice

Cyber Law
Practices

IPR
Practice

Legal Drafting
(inc AI based drafting)